न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,नागौर

पीठासीन अधिकारी–पीयूष समारिया, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या–144 / 2022
जी. सी.एम.एस. पोर्टल संख्या–2022 / 172

प्रार्थी	बनाम	**अप्रार्थीगण**
बंधन बैंक लिमिटेड (पूर्व नाम गृह फाईनेंस लिमिटेड), जिसका पंजीकृत कार्यालय–डी.एन. 32, सेक्टर V सॉल्ट लेक सिटी कलकत्ता 700091, जिसका शाखा कार्यालय द्वितीय तल, कृष्णा कॉम्पलेक्स, कैलाशपुरी, टोंक रोड़ जयपुर राजस्थान जरिये प्राधिकृत अधिकारी राकेश दयाराम चौधरी।		1. हर सुख सिंह पुत्र जीवण सिंह, 2. सुख सिंह पुत्र जीवण सिंह, 3. श्रीमती राज कंवर उर्फ राजू कंवर, 4. श्रीमति अंजु कंवर, निवासीगण पता–बलदेव कॉलोनी, कृषि उपज मण्डी के पास, मेड़तासिटी, जिला नागौर राज.। 5. मांगी लाल बोराण, पता–अमरावतों का बास, मेड़तासिटी जिला नागौर, राज.। 6. भगवान सहाय, पता–दवे सदन, बोरान डेयरी के पास, ढापी मार्बल, बनाड रोड, जोधपुर।

आदेश दिनांकः 10-05-2022

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ, जो दर्ज रजिस्टर किया गया।

वकील प्रार्थी को सुना गया। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैक ने अप्रार्थी / ऋणी को रूपये **8,00,000 / –(अक्षरे आठ लाख रूपये मात्र) दिनांक 30.04.2008 को ऋण** उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण / ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में **सम्पति–1. सम्पति जो हाडीपुरा, नई चौकी की तरफ, मेडता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 2000 वर्ग फीट है। जो हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह के नाम से है। 2. सम्पति जो कृषि उपज मंडी के पास,** मेड़ता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित **है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के** अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 94.51 वर्ग गज है। **जो श्री हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क** नाम से है। 3. प्लॉट नं. 93 (पुराना) ई–79 (नया), बलदेव राम **मिर्धा कॉलोनी, (गांधी नगर) मेडता सिटी,** जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा **आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 72 वर्ग गज है। जो श्री सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क नाम है,** जो प्रार्थी बैक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये।

अप्रार्थी / ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 31.03.2021** को एन.पी.ए. घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी / ऋणी के ऋण खाते में **रूपये 7,71,643 पैसे 56 / –(अक्षरे रूपये सात लाख इकहत्तर हजार छः सौ तैंतालीस एवं पैसे छप्पन मात्र) दिनांक 04.01.2022 तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके पश्चात का ब्याज व अन्य खर्चे अतिरिक्त** बकाया निकलते है।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक ने ऋणी / अप्रार्थी को **दिनांक 04.01.2022** को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये परन्तु अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि **रूपये 7,71,643 पैसे 56 / –(अक्षरे रूपये सात लाख इकहत्तर हजार छः सौ तैंतालीस एवं पैसे छप्पन मात्र) दिनांक 04.01.2022 तक ब्याज शामिल करते हुए तथा इसके पश्चात का ब्याज व अन्य खर्चे अतिरिक्त,** को जमा कराना था, परन्तु ऋणी / अप्रार्थी ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक को सम्पति का ऋणी एवं जमानतियों से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैक जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी / जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 16:31:37 IST
Reason: Self Attested

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

बैंक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :–1. सम्पति जो हाडीपुरा, नई चौकी की तरफ, मेड़ता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 2000 वर्ग फीट है। जो हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह के नाम से है। 2. सम्पति जो कृषि उपज मंडी के पास, मेड़ता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 94.51 वर्ग गज है। जो श्री हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क नाम से है। 3. प्लॉट नं. 93 (पुराना) ई–79 (नया), बलदेव राम मिर्धा कॉलोनी, (गांधी नगर) मेडता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 72 वर्ग गज है। जो श्री सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क नाम है,जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डॉक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थी से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थी ने प्रार्थी बैक से रूपये **8,00,000/–(अक्षरे आठ लाख रूपये मात्र) दिनांक 30.04.2008** को ऋण सुविधा प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार है:– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विकय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य "महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क)उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमो को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय मे आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति–1. सम्पति जो हाडीपुरा, नई चौकी की तरफ, मेडता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 2000 वर्ग फीट है। जो हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह के नाम से है। 2. सम्पति जो कृषि उपज मंडी के पास, मेड़ता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 94.51 वर्ग गज है। जो श्री हर सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क नाम से है। 3. प्लॉट नं. 93 (पुराना) ई–79 (नया), बलदेव राम मिर्धा कॉलोनी, (गांधी नगर) मेडता सिटी, जिला नागौर, राजस्थान में स्थित है। जिसमें भूमि, भवन व ढांचा आदि सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका कुल क्षैत्रफल 72 वर्ग गज है। जो श्री सुख सिंह पुत्र श्री जीवण सिंह क नाम है,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक [illegible] निष्पादित किया था, के संबंध मे संबधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि उक्त [illegible]ति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो [illegible] को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Peeyush Samariya
Date: 2023.06.08 15:31:37 IST
Reason: SelfAttested

(पीयुष समारिया)
जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट,नागौर

जिला मजिस्ट्रेट
नागौर

न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट नागौर (राज.)